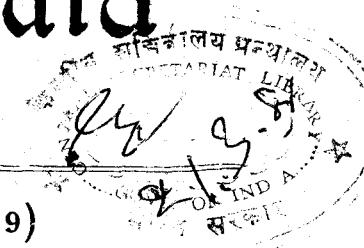




भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



[सं० ३] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी १६, १९८८ (पौष २६, १९०९)

[No. 3] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 16, 1988 (PAUSA 26, 1909)

इस भाग में अलग पृष्ठ संख्याएँ जाती हैं जिससे कि यह अक्षण संख्याएँ रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate Compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएँ जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचना सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications Including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

बैंकिंग परिचालन और विकास विभाग

“दि आर्केड” विश्व व्यापार केंद्र

बम्बई-400005, दिनांक 26 दिसम्बर 1987

संदर्भ डीबीओडी स० आरईटी० बीसी० ७७/सी० २३६
(जी) एसपीएल ८७—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949
(1949 का १०) की धारा २४ की उप धारा (२ क)
द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए और दिनांक ३१

मार्च 1987 की अपनी अधिसूचना डीबीओडी० स० आरईटी० बीसी० २९/सी० २३६(जी)—एसपीएल-८७ में संशोधन करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक एतद्वारा यह निर्दिष्ट करता है कि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक को छोड़कर प्रत्येक अनुसूचित वाणिज्य बैंक भारत में रहने वाली अपनी शुद्ध मांग और मीयादी देयताओं के ३८ प्रतिशत के बराबर की आस्तियां धारा २४ की उप धारा (२ क) में निर्दिष्ट फार्म में २ जनवरी 1988 की प्रारंभ होने वाले पखवाड़े से बनाये रखेगा।

य० के० शर्मा
कार्यपालक निदेशक

वित्तीय कम्पनी विभाग

कलकत्ता-700001, 2 जनवरी 1988

शेष गैर बैंकिंग कंपनी (रिजर्व बैंक) निदेश, 1987—भारत का राजपत्र विभाग, जुलाई 4, 1987 में

प्रकाशन भाग III—खण्ड 4

शुद्धि-पत्र

| क्रम सं. | पृ० में० | पैराग्राफ सैक्षणि इत्यादि का विवरण | राजपत्र में छापी गई वस्तु का विवरण | सुधार के बाद सही पढ़ी जाने वाली विवरण | रिमार्क |
|----------|----------|--|---|--|--------------------------------------|
| 1. | 2725 | 1 | सं० डॉ० एफ० सी००५५/डॉ०३०० (श्री) 87 | अधिसूचना सं० डॉ० एफ० सी०५५/डॉ०३०० (श्री) 87 | अधिसूचना जोड़ना है। |
| 2. | 2726 | 3(क) | भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम 1934 (1934 का 21) | भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम 1934 (1934 का 2) | 1934 का 21 की जगह 1934 का 2 करना है। |
| 3. | 2727 | 5 | जमाराशियां और प्रति भूतियां सौंपेगा जिसका उल्लेख उप पैराग्राफ (1) | प्रतिभूतियां सौंपेगा जिसका पाराग्राफ के जगह उल्लेख उप पैराग्राफ (1) पैराग्राफ करना है। | |
| 4. | 2730 | अनुसूची "अ" | कालम 5(1) निगमन दि दि का मा व व व व | दि दि मा मा व व व व क की जगह मा करना है। | |
| 5. | 2730 | —वही— | कालम 5(11) कारोबार का प्रारंभ दि दि का मा व व व व | दि दि मा मा व व व व —वही— | |
| 6. | 2733 | टिप्पणी (2) | बजट योजनाओं के प्रकार बचत योजनाओं के प्रकार | बजट योजनाओं के प्रकार बचत योजनाओं के प्रकार | बजट की जगह बचत करना है। |
| 7. | 2735 | 1, शुद्ध स्वाधिकृत निधियों निर्वंध प्रारक्षित निधियां (11) | निर्वंध प्रारक्षित निधियां | निर्वंध की जगह निर्वंध करना है। | |
| 8. | 2735 | उपर्युक्त मद 1(11) के अन्तर्गत प्रारक्षित | के अन्तर्गत निर्वंध प्रारक्षित | के अन्तर्गत निर्वंध प्रारक्षित | —वही— |
| 9. | 2736 | भाग-5 कालम-4 | प्रमाणपत्रों या अन्य लिखितों | प्रमाणपत्रों या अन्य लिखितों | लिखितों की जगह लिखितों करना है। |
| 10. | 2738 | (ग) | भारत्युक्त बान्डों | भारत्युक्त बान्डों | युक्त की जगह मुक्त करना है। |
| 11. | 2739 | अनुसूची "आ" | मणिपुर निपरा | मणिपुर निपुरा | निपरा की जगह निपुरा। |

स्टेट बैंक ऑफ इन्डिया

(भारतीय स्टेट बैंक का सहयोगी बैंक)
प्रधान कार्यालय

इन्दौर-452 003, दिनांक 31 दिसम्बर 1987

सूचना

बैंक के निवेशक मण्डल में दी अक्षियों के निवाचिन के प्रयोजन से बैंक के द्वारा रवीन्द्र नाथ्यगृह रवीन्द्रनाथ टैगोर मार्ग, इन्दौर में स्टेट बैंक ऑफ इन्डिया के शेयरधारियों की सामान्य बैठक आयोजित करने संबंधी दिनांक 28 नवम्बर 1987 की सूचना के संदर्भ में एतद्वारा सूचना

दी जाती है कि मैंने निम्नांकित प्रस्तावित नामांकन पद स्वीकार कर लिए हैं जो कि वैध हैं :—

(1) श्री एस० पी० भार्गव,
प० रामप्रसाद भार्गव मार्ग,
उज्जैन।

(2) श्री राधेश्याम बंसस,
15/1, पारसी मोहल्ला,
इन्दौर।

(3) श्री बी० जी० नागर,
208, पलसीकर कालोनी,
इन्दौर।

(4) श्री पी० एस० बापना,
2, रेस कोर्स रोड़,
इन्दौर।

(5) श्री आर०पी० शारदा,
55, जूना पीठा, मेन रोड़,
इन्दौर।

(6) श्री लालचन्द जैन,
द्वारा-राजहंस आर्टोमोबाइल्स प्रोडक्ट्स,
1, इंडस्ट्रीयल इस्टेट,
इन्दौर।

प्रेम प्रकाश,
प्रबंध निदेशक

दी इन्स्टिट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स
एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया
कलकत्ता, दिनांक 1 दिसम्बर 1987

सं० 16-सी० डब्ल्यू० आर० (803)/87—दी कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स रेग्युलेशन्स 1959 के विनियम 16 का अनुसरण कर यह अधिसूचित किया जाता है कि दी इन्स्टिट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया के परिषद् ने कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स अधिनियम 1959 की धारा 20 की उपधारा (1) द्वारा दिये गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए श्री गौतम मजूमदार, बी० एस० सी०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, कास्ट एकाउन्टेन्ट्स आफिसर, एरिया एकाउन्ट्स आफिस, सेन्ट्रल कोल फिल्ड्स लिमिटेड, कथरा-829116, डिस्ट्रीक्ट : गिरी-डीह, बिहार, (सदस्यता संख्या 7098), के नाम की उनकी मृत्यु के कारण 26 सितम्बर 1987 से सदस्य पंजिका से हटा दिया।

दिनांक 11 दिसम्बर 1987

सं० 18-सी० डब्ल्यू० आर० (163)/87—दी कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स रेग्युलेशन्स 1959 के विनियम 18 का अनुसरण कर यह अधिसूचित किया जाता है कि दी इन्स्टिट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया के परिषद् ने कहे हुए रेग्युलेशन्स के विनियम 17 द्वारा दिये गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए श्री आर० सुक्रामनियन बी० काम० ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, 5 बाल-राजेश्वर एपार्टमेन्ट्स, बालराजेश्वरी रोड़ आपोजीट सी० पी० टूल्स लिमिटेड, ए० बी० रोड़, शास्त्री मार्ग मूलन्द वेस्ट बम्बई-400080 (सदस्यता संख्या 2542) के नाम को 2 दिसम्बर 1987 से सदस्य पंजिका में पुनः स्थापित किया।

सं० 11-सी० डब्ल्यू० आर० (106)/87—दी कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स रेग्युलेशन्स 1959 के विनियम 11 के उप-विनियम (3) का अनुसरण कर यह सूचित किया जाता है कि श्री एस० के० भट्टाचार्य बी० ए०, एफ०

आई० सी० डब्ल्यू० ए०, सी०/ओ० श्री भी शंकरा 11 बावरलेन न्यू० दिल्ली-110001 (सदस्यता संख्या 4269) के अध्यास करने का प्रभाण-पत्र उनकी निजी प्रार्थना पर 30 नवम्बर 1987 से लेकर 30 जून 1988 तक के लिए रद्द किया जाता है।

डी० सी० भट्टाचार्या
सचिव

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1987

सं० य०-16/53/85-चिकित्सा-3 (त० ना०)—कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के तहत महा निदेशक को निगम की शक्तियां प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की दिनांक 25 अप्रैल, 1951 को हुई बैठक में पास किए, संकल्प के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या 1024(जी) दिनांक 23-5-83 द्वारा ये शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा डा० सी० के० नीरथागिरी, 105 रामासामी स्ट्रीट, मद्रास-1 को तामिलनाडू राज्य के मद्रास क्षत्र के लिए बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाण पत्र की सत्यता संदिग्ध होने पर उन्हें आगे प्रमाण-पत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए 1-1-1988 से 31-12-1988 अथवा पूर्ण-कालिक चिकित्सा निर्देशी के कार्यभार ग्रहण करने तक, जो भी पूर्व हो, वर्तमान शर्तों पर 750/- रुपये प्रतिमाह के पारिश्रमिक पर, चिकित्सा प्राधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

डा० के० एम० सक्सेना
चिकित्सा आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 21 दिसम्बर 1987

का०आ०सं० डी-II-18(नीति)/85-(सामान्य) खण्ड-2—लोक परिसर [अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली : सशोधित अधिनियम, 1984(1984 का 35)] की धारा 3 द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेशक प्रशासन, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, कोटला मार्ग, नई दिल्ली, निम्न सारणी के स्तम्भ (1) में वर्णित अधिकारी को, जो सरकार के, राजपत्रित अधिकारी की, पंवित के समतुल्य अधिकारी है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी के रूप में एतद्वारा नियुक्त करते हैं, और उक्त अधिकारी उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में विविध लोक परिसरों की बाबत अपनी अधिकारिता की स्थापनीय सीमाओं के भीतर उक्त अधिनियम के द्वारा या उसके अधीन सम्पदा अधिकारियों को प्रदत शक्तियों का प्रयोग करेंगे और उन्हें सौंपे गए कर्तव्यों का पालन करेंगे।

सारणी

| | |
|---------------------|---|
| अधिकारी का पदाभिधान | लोक परिसरों के प्रवर्ग और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएं |
| (1) | (2) |

गौतम कृषि नैय्यर,
निदेशक प्रशासन

बकाया पौते बाकी (गत अवशेष)

| | | 1.4.1985 | | 1.4.1986 | |
|-----------------------------|-----|--------------|-----|--------------|--|
| चालू खाता | रु० | 5,42,664.00 | रु० | 3,03,154.00 | |
| फिक्स डिपाजिट | रु० | 41,000.00 | रु० | 1,51,000.00 | |
| सिक्यौरिटिज | रु० | 2,000.00 | रु० | 2,000.00 | |
| योग | रु० | 5,85,664.00 | रु० | 4,56,154.00 | |
| वर्ष के दौरान आय | | 1985-86 | | 1986-87 | |
| रेवेन्यु | रु० | 18,67,275.00 | रु० | 22,90,290.00 | |
| कैपिटल | रु० | 97,201.00 | रु० | 30,039.00 | |
| योग | रु० | 19,64,476.00 | रु० | 23,20,329.00 | |
| वर्ष के दौरान व्यय | | 1985-86 | | 1986-87 | |
| रेवेन्यु | रु० | 14,24,360.00 | रु० | 16,15,343.00 | |
| कैपिटल | रु० | 6,69,626.00 | रु० | 1,42,646.00 | |
| योग | रु० | 20,93,986.00 | रु० | 17,57,989.00 | |
| वर्ष के अन्त में बकाया राशि | | 31.3.1986 | | 31.3.1987 | |
| चालू खाता | रु० | 3,03,154.00 | रु० | 4,85,494.00 | |
| फिक्सड | रु० | 1,51,000.00 | रु० | 5,31,000.00 | |
| सिक्यौरिटिज | रु० | 2,000.00 | रु० | 2,000.00 | |
| योग | रु० | 4,56,154.00 | रु० | 10,18,494.00 | |

नाजीम दरगाह खवाजा साहिब
राजमेर, दिनांक 31 दिसम्बर 1987

वार्षिक प्रशासनिक प्रतिवेदन 1986-87 परिचय,

1. यह मेरे लिये गर्व का अवसर है कि मैं दरगाह समिति के समक्ष वर्ष 1986-87 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर रहा हूँ।

2. विचाराधीन वर्ष के आरम्भ में दरगाह समिति निम्न महानुभावों पर सम्मिलित थी।

(क) जनाब इसमाईल एम० बावला, अध्यक्ष

(ख) जनाब मौलाना एम० जे० एम० मतीन, उपाध्यक्ष

(ग) जनाब शाह हुसैन अहमद, सदस्य

(घ) जनाब रईस मियां चिश्ती, सदस्य

(इ) जनाब मोहम्मद जमां अरिफ, सदस्य

3. जनाव इसमाईल एम० बावला तथा मौलाना एम० जेओए० मर्तीन पूर्ण वर्ष समिति के क्रमशः अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष रहे।

4. वित्तीय स्थिति,

विचाराधीन वर्ष में दरगाह समिति
की वित्तीय स्थिति :—

(गत अवशेष)

5. दरगाह शरीफ की आय में विचाराधीन वर्ष में कुल रूपये 4,23,015.0 की चुकती बढ़ोत्ती हुई है। यद्यपि दरगाह शरीफ की कुल आय में गत 5 वर्षों में भारी बढ़ोत्ती

हुई किन्तु इस वर्ष की आय ने तो गत सभी वर्षों का रिकार्ड तोड़ दिया है। जैसा कि निम्न में प्रस्तुत आंकड़ों के अवलोकन से स्पष्ट है:—

| 1981-82 | 1982-83 | 1983-84 | 1984-85 | 1985-86 | 1986-87 |
|---------|---------|---------|---------|---------|---------|
|---------|---------|---------|---------|---------|---------|

| | | | | | |
|----------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| रु० 9,98,940/- | 11,99,947/- | 13,74,752/- | 16,55,460/- | 18,67,275/- | 22,90,290/- |
|----------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|

6. आय में वृद्धि के साथ व्यय में वृद्धि हुई है, विशेष रूप से दान एवं कल्याणकारी कार्यों पर, जैसा कि निम्न में अंकित विवरण से स्पष्ट है:—

| | 1981-82 | 1986-87 |
|---|-----------------|-----------------|
| (क) वेतन कर्मचारीगण | रु० 1,92,017.00 | रु० 4,81,600.00 |
| (ख) विधवाओं को स्टाईलेन्ड | रु० 18,815.00 | रु० 35,400.00 |
| (ग) लंगर, दैनिक तथा रमजान | रु० 55,342.00 | रु० 86,383.00 |
| (घ) मरम्मत सम्पत्ति | रु० 14,525.00 | रु० 1,04,006.00 |
| (ङ) मरम्मत दरगाह व मस्जिदें | रु० 1,000.00 | रु० 5,600.00 |
| (च) खरीदारी व मरम्मत शामयाने | रु० 13,798.00 | रु० 21,764.00 |
| (छ) दारूल उलूम तथा तकनीकी एवं चिकित्सा सम्बन्धी विद्यार्थियों को मानध्य (स्कालरशिप) | 3,600.00 | रु० 4,794.00 |
| (ज) होम्योपैथिक तथा यूनानी दवाखाना | रु० 10,705.00 | रु० 62,160.00 |

7. दरगाह शरीफ के फूल, संदल शथा मोमबत्तियां, पानी व बिजली के बिल, कर्मचारियों के वेतन, विद्यार्थियों को मानदाय, निर्धनों को सहायता, दैनिक लंगर तथा दरगाह शरीफ एवं मेहमान खानों आदि के रखरखाव पर आवृत (रेक-रिंग) व्यय समय पर तथा सन्तोषजनक रूप में किये जाते रहे हैं।

8. हज़रत खाजा गरीब नवाज र०अ० के उर्स मुबारक:—

हज़रत खाजा मौईनुद्दीन चिश्ती र०अ० के उर्स। रजब सन् 1407 हिजारी मुताबिक 2 मार्च 1987 से शुरू होकर 9 रजब मुताबिक 10 मार्च 1987 को बड़े कुल के बाद समाप्त हुए। उर्स के प्रथम 3 दिन जायरीन की आमदौरकत मध्यम गति से चलती रही, किन्तु चौथे दिन जायरीन की संख्या एक दम इतनी बढ़ी कि 5 रजब के लगभग 2 लाख जायरीन ने जुमे की नमाज अदा की। यह एक अत्यधिक भीड़ थी जिसका अजमेर के निवासियों ने देश के विभाजन के बाद पहली बार मुशाहिदा किया। दरगाह तथा जिला प्रशासन की बड़ी निगरानी एवं उच्च कोटी के इन्तेजाम से समस्त कार्य निहायत ठीक तरीके पर पूरे हुए तथा जुमे की नमाज शान्तीपूर्ण रूप से अदा की गई। दरगाह प्रशासन ने अधिक भीड़ के पूर्व अनुमान से पुलिस थाना गंज के सामने, लाउड स्पीकर स्थापित कर दिये थे।

9. कुल का ओत्सव 6 रजब मुताबिक 7 मार्च 1987 को विल्कुल ठीक ढंग से पूर्ण हुआ। आकाशवाणी तथा दूरदर्शन केन्द्रों के प्रतिनिधियों का उर्स के समस्त कार्यक्रमों

तथा समारोहों में सराहनीय तथा उत्साहपूर्वक योगदान रहा। किन्तु 6 रजब मुताबिक 7 मार्च 1987 को प्रातः 6.45 तथा 7 बजे के बीच जायरीन की भारी भीड़ के कारण अप्रिय घटना में 5 औरतों सहित 6 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई। इसमें एक व्यक्ति लगभग 40 वर्ष तथा योग (औरतों) की आयु 60 वर्ष से अधिक थी। इसके अतिरिक्त 19 व्यक्ति घायल हो गए। मृतकों को तत्काल शिनाउत कराया जाकर अविलम्ब उनकी तजहीजों तकफीन की गई। घायलों को तुरन्त चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई। दरगाह समिति ने आपातकाल सभा आयोजित कर दुख प्रकट किया तथा शोक प्रस्ताव पारित किया। समिति ने प्रत्येक मृतक के निकटतम सम्बन्धी को 5,000/- रुपये की सहायता स्वीकार की। इसी प्रकार 5000/- रुपये की राशि घायलों को स्वीकृत की गई। राजस्थान सरकार ने इस घटना के बारे में जांच के आदेश दिये तथा प्रत्येक मृतक के निकटतम संबंधी को 10,000/- रुपये की राशि दिये जाने की घोषणा की।

10. समस्त प्रशासनिक प्रबन्ध विशेषकर पुलिस, जल-प्रदाय, विद्युत व्यवस्था तथा सफाई बहुत अच्छे तथा सन्तोषजनक रहे तथा रेलवे तथा रोडवेज का योगदान भी पर्याप्त एवं सन्तोषजनक रहा।

11. पाकिस्तान के 280 जायरीन के बफद (डेपुटेशन) ने उर्स के मौके पर हाजरी दी और चादर चढ़ाई। जिला प्रशासन की ओर से उनके विश्राम का प्रबन्ध राजकीय उच्च माध्यमिक महिला विद्यालय भवन में किया गया।

12. दरगाह प्रशासन ने जायरीन की अधिक संज्ञा के बारे में पूर्व अनुमान के अनुसार गत वर्षों से अधिक लगभग दो गुने त्रिपाती नियुक्त किये और दरगाह प्रांगण तथा करगाह के मेहमान खानों में उच्च कोटी की सफाई बनाये रखने का प्रबन्ध किया। दरगाह समिति द्वारा दरगाह शरीफ के बुलंद दरवाजे पर एक पूछताछ का कार्यालय भी न्यायित किया जिसकी सहायता से लगभग 150 खोये हुये बच्चों अथवा बूढ़ों को उनके बालदेन अथवा निप्रानों (बाढ़ों) के हवाले किया गया।

13. दो ऐलोपैथिक, एक होम्योपैथिक तथा दो यूनानी कुल पांच औपधालयों में लगातार चौबीस बन्टे निःशुल्क चिकित्सा दवाईदां एवं निःशुल्क चिकित्सा का प्रबन्ध किया गया जिनमें 19914 रोगियों ने निःशुल्क दवाईयां एवं चिकित्सा प्राप्त की।

14. दरगाह खाजा साहब के उर्स के मुकद्दस मीके पर 3 लाख से भी अधिक जायरीन को जियारत का अवसर प्राप्त हुआ। भारत के विभिन्न भागों से 2500 से अधिक बमें जायरीन को लेकर आई। अजमेर के निवासियों के जीवन की याददाश्त में इस वर्ष जायरीन की भीड़ अधिक में अधिक थी। यात्रियों की जर्बदस्त भीड़ के कारण 7 मार्च की दुर्घटना के अलावा और सभी कार्य भलीभांति और कुशलता पूर्वक हो गये। इस वर्ष के अनुभवों से सचेत होकर भविष्य के लिये सतर्कता के उचित प्रबन्ध ध्यानपूर्वक किये जा रहे हैं। ताकि अब किसी अप्रिय घटना का सामना न करना पड़े। दरगाह स्टाफ जिन्हें अपनी ड्यूटी के अन्तर्गत देने में काफी अड़चनों का सामना करना पड़ा इसके बावजूद उन्होंने सब काम बहुत मेहनत और लगन के साथ किये। जिला अधिकारियों का दरगाह प्रशासन के साथ सहयोग अति उत्तम रहा। जिला कायालियों के समस्त समन्वित अधिकारियों व कर्मचारियों ने बड़ी दक्षता एवं लगन से कार्य किया।

15. दरगाह शरीफ की रसूमात :—

खाजा गरोब नबाज २० अ० तथा खाजा उस्मान हासनी २०अ० की वार्षिक महफिलें ठीक तरीके पर आयोजित की गई और जुमेरातों तथा छठी (प्रत्येक इसलामी महीने की छठ: तारीख) की अन्य महफिलें भी इसी प्रकार उचित रूप से आयोजित की गई।

16. लेखों की जांच :—

दरगाह के वर्ष 1986-87 के लेखों की जांच महा लेखाकार राजस्थान द्वारा कर ली गई है। लेखे सभी पाये गये। कोई गम्भीर आपत्ति अथवा लुटि नहीं पाई गई। जांच प्रतिवेदन "निल" है। आडिट प्रमाण-पत्र की एक प्रति प्रशिष्ठ "ए" पर अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।

17. विस्तीर्ण सहायता तथा कल्याणकारी कार्य :—

अधिक व्यय कल्याणकारी तथा सामाजिक कार्यों पर निम्नांकित योजनाओं पर किये गये हैं :—

(क) विधवाओं तथा मोहतजों को वजीफा :—

बाहर के तथा स्थानीय परिजादों तथा खादिमों एवं गेर खादिमों की 173 विधवाओं को 35,400/- रुपये की राशि सहायता के रूप में भुगतान की गई।

(ख) चिकित्सा तथा तकनीकी विद्यार्थियों को राजालरशिप :—

4794/- रुपये की राशि 100/- रुपये भासिक की दर से 4 गरीब विद्यार्थियों को इस वर्ष भुगतान की गई आगामी वित्तीय वर्ष में स्कालरशिप की संख्या में वृद्धि प्रस्तावित है।

(ग) तजहीजों तकफीन (लावारिस लाशों का दफन)

इस वर्ष 13410/- रुपये की राशि लावारिस अथवा गरीब व्यक्तियों की तजहीजों तकफीन पर खर्च की गई।

(घ) गरीब विद्यार्थियों, गरीब बालदेन इतिफाकिया चांगी आदि के शिकार व्यक्तियों को सहायता :—

विचाराधीन वर्ष में इस प्रकार की सहायता पर 11023/- रुपये की राशि व्यय की गई।

(ङ) शिक्षण संस्थाओं की सहायता :—

इस वर्ष मोहम्मद अली उच्च माध्यमिक विद्यालय को धार्मिक शिक्षा हेतु 4200/- रुपये की राशि सहायता के रूप में दी गई।

(च) कर्मचारियों तथा अन्य व्यक्तियों को चिकित्सा हेतु सहायता :—

कर्मचारियों आदि को चिकित्सा की सुविधा हेतु इस वर्ष 4075/- रुपये की राशि भुगतान की गई।

(छ) औपधालयों का रख-रखाव (मैट्टीनैन्स) तथा निःशुल्क बवाईयों उपलब्ध कराना :—

दरगाह समिति यूनानी तथा होम्योपैथिक 2 निःशुल्क औपधालय दरगाह प्रांगण में खला रही है। इन दोनों औपधालयों में विचाराधीन वर्ष में लगभग 1 लाख मरीजों की निःशुल्क चिकित्सा की गई। इस मद पर रुपये 62,160/- की राशि व्यय की गई।

18. रमजान में लंगर तथा कैदियों को इफतारी :—

रमजान के समय लगभग 300 गरीब रोजदारों को 2 समय का खोजन दिया गया। इस के अतिरिक्त केन्द्रीय कारागृह के 27 रोजदार कैदियों को बर्फ तथा शक्कर सहित इफतारी का पूरे रमजान में प्रबन्ध किया गया। इसमें 16,650/- रुपये की राशि व्यय हुई।

19. दैनिक लंगर :—

पूर्व की भाँति रोजाना दो बक्त लंगर बिना किसी भेदभाव के सभी में तकसीम किया गया। वर्ष में इस पर 69,733/- रुपये की राशि व्यय हुई है।

20. उपलब्धियाँ :—

विचाराधीन वर्ष के दौरान अधिक महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से कुछ निम्न प्रकार हैं :—

(क) नया जनरेटिंग सेट :—

दरगाह शरीफ तथा मेहमान खानों में लगातार विद्युत की अवस्था बनाने के लिये 10 तथा 6 के० घी० ए० के 2 जनरेटिंग सेट अपर्याप्त पाये जाने पर 15 के०घी० ए० का एक नया डीजल जनरेटिंग सेट विचाराधीन वर्ष में क्रय किया गया है। इस पर 78,000/- रुपये से अधिक का व्यय हुआ है।

(ख) ज्ञालग की सफाई :—

दरगाह शरीफ तथा आम पास के मोहल्लों में जल प्रदाय का मात्र साधन ज्ञालग है। इसकी सफाई की काफी समय से आवश्यकता महसूस की जा रही थी। दरगाह प्रशासन ने इस पर 12000/- रुपये का व्यय करके गत ग्रीष्म काल में इस की सफाई करवाई है।

(ग) भूमि पर्वं भवन करने से मुक्ति :—

दरगाह प्रशासन की लगातार कोशिश से राजस्थान मर्कार ने दरगाह छवाजा साहब की भूमि तथा भवनों को वर्ष 1973 से कर से मुक्त कर दिया है। हम इस के लिये राजस्थान सरकार के अभारी हैं :

(घ) कर्मचारियों के बेतन में वृद्धि :—

कर्मचारियों की अन्य आय की स्थिति की ओर विशेष ध्यान दिया गया उनके बेतन में समय समय पर वृद्धि की जाती रही है। परिणामस्वरूप एक अपरासी 1981-82 में जो बेतन प्राप्त का था वो अब लगभग उससे दोगुना बेतन प्राप्त करता है। यही स्थिति अन्य कर्मचारियों की भी है। वर्ष 1985-86 में महंगाई राहत आदि की किस्तें उन्हें भविकार की गई हैं। बेतन में वृद्धि की स्थिति का निम्न अंकों से अनुमान लगाया जा सकता है :—

कर्मचारियों के बेतन पर व्यय की गई कुल राशि :—

| 1981-82 | 1986-87 |
|----------------|----------------|
| रु 1,92,600.00 | रु 4,81,600.00 |

21. भविष्य की योजना :—

दरगाह समिति ने दरगाह की सम्पत्तियों के विकास हेतु निम्न योजनायें बनाई हैं :

(क) गुंबद शरीफ का नवीनीकरण

(ख) शिष्य कल्याण केन्द्र की स्थापना

(ग) दरगाह शरीफ में लगे हुये लाल पत्थर को संग्रह मर्मर में तबदील करना।

(घ) दरगाह पुस्तकालय में सुधार

(ङ) दरगाह बंगले में निवास स्थान तथा बुकानों का निर्माण

(च) ग्राम कार्य का मजीद सुधार

(छ) मोलह खन्बा की तहारों का निर्माण।

22. दरगाह समिति की बैठकें :—

वर्ष में निर्धारित चार बैठकों के बजाए इस वर्ष केवल 3 बैठकें आयोजित की गई। एक बैठक कोरग के अभाव में आयोजित नहीं हो पाई।

23. किराये की आय में वृद्धि :—

दरगाह सम्पत्तियों के किराये की आय में बराबर वृद्धि होती रही है, किन्तु विचाराधीन वर्ष में दरगाह शरीफ की किराये की आय में 30,030/- रुपये प्रति वर्ष की दर से वृद्धि हुई है।

अन्तिम :—

विचाराधीन वर्ष विकास, गति एवं राहत का वर्ष रहा है। इस वर्ष कुल चुकती आय रु 22,90,290.00 रुपये तक पहुंच गई है। यह अंकित करने में खुशी मेहसूस होती है कि यह आय वर्ष 1981-82 की आय का छाई गुना है। अधिक जोर कल्याणकारी कारों और गरीब तथा मोहताजों की महायता एवं सुविधा देने पर किया गया है। सुन्दर तथा नया मेहमान खाना जायरीन के लिये पूर्ण रूप से लाभदायक मानित हुआ है। दरगाह सम्पत्तियों में आवश्यक भारी लागत लगाकर मरम्मत कार्यों से सम्पत्तियों के जीवन में वृद्धि तो हुई किन्तु इससे सैकड़ों मजदूरों तथा कारीगरों को रोजगार भी मिला है। दरगाह के कर्मचारियों के बेतन में काफी वृद्धियाँ स्वीकृत की गई हैं। स्वास्थ्य तथा सफाई हेतु अधिक प्रयास दिये गये हैं। दरगाह समिति द्वारा जायरीन को बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा बान एवं गरीब मोहताजों के लिये कल्याणकारी कारों के थोक में वृद्धि की कोशिश जारी है।

नाजीम
दरगाह खब्राजा साहिब
अजमेर

लेखा परीक्षा प्रमाण-पत्र

मैने 31 मार्च 1987 को समाप्त होये वर्ष के दरगाह खबाजा साहिब अजमेर के आय और व्यय लेखाओं की जांच कर ली है। मैने सभी अपेक्षित सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिये हैं और अपनी लैंडा परीक्षा के परिणाम स्वरूप मैं प्रमाणित करता हूँ कि मेरी राशि में आंख मेरी सर्वोच्च सूचना और मुझे दिये गये स्पष्टीकरणों और संगठन की बहियों में किये गये उत्तेज के अनुमान ये लेखे उपयुक्त रूप से तयार किये गये हैं और दरगाह खबाजा साहिब अजमेर के कार्यकलाप का सही और उचित रूप प्रस्तुत करते हैं।

(ह०) अपठीमीय
स्थान : जमपुर (लेखा परीक्षा)
दिनांक : ——————
राजस्थान, जयपुर

RESERVE BANK OF INDIA

CENTRAL OFFICE

DEPARTMENT OF BANKING OPERATIONS AND
DEVELOPMENT

"THE ARCADE" WORLD TRADE CENTRE
Bombay-400 005, the 26th December 1987

DBOD No. Ret. BC. 77/C.236 (G) Spl.-87.—In exercise
of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 24

of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), and in
modification of its notification DBOD No. Ret. BC. 29/C.
236 (G) Spl. 87 dated March 31, 1987, the Reserve Bank of
India hereby specifies that every scheduled commercial bank,
other than a Regional Rural Bank, shall maintain in India
assets in the form specified in sub-section (2A) of Section
24, equivalent to 38 per cent of the net demand and time
liabilities in India from the fortnight beginning January 2,
1988.

U. K. SHARMA,
Executive Director

DEPARTMENT OF FINANCIAL COMPANIES

Calcutta-700001, the 2nd January, 1988

Residuary Non-Banking Companies (Reserve Bank) Directions, 1987 as printed in the Gazette of India dated 4-7-1987
Part III—(Section 4)

LIST OF CORRIGENDA

| Sl. No. | Page No. | Particulars of paragraph/ Section etc. | Particulars printed in the Gazette | Should be corrected to read as follows : | Remarks |
|---------|---|---|---|--|---------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 2745 | 6(3) (b) thirdline 6(3) (d) firstline | by any law or the time being "Unencumbered approved securities | by any law for the time being "unencumbered approved securities" | Instead of 'or' it should be 'for' Inverted comma to be closed. | |
| | 14 (1) third line | Reserve Bank | Reserve Bank | Instead of 'Bnk' it should be 'Bank' | |
| 2746 | 16(2) tenth and eleventh line | Miscellaneous Non-Banking Financial Companies and <i>Miscellaneous Non Culars</i> stated in | Miscellaneous Non-Banking Companies (<i>Advertisement</i>) <i>Rules 1977 and Parti culars</i> stated in | 'Financial' before compa nies to be deleted and underlined portion to be changed as in column 5 | |
| 2747 | SCHEDULE 'A' Item No.8 | Whether a holding company or a subsidiary£ | Whether a holding company or a subsidiary \$ | £ to be changed for \$ | |
| 2748 | SCHEDULE 'A' Part I. Column 5. SCHEDULE 'A' PART-I, Item No. 1 | Amounts thousand of rupees (Other than convertible or secured debentures) | Amount in thousand of rupees (Other than convertible or secured debentures) | 'thousand' to be changed for 'thousand' 'Or' should be changed for 'or' | |
| 2748 | Part 1, item—6 table of breakup column 4 | Aggregate amount received as on 31-3-1987 | Aggregate amount received as on 31-3 | 87 should be deleted | |
| 2748 | Schedule 'A' | Columns Printed 1,2,3,4&5 | 1,2,3,4 | 4 Columns against 4 items. | |
| 2749 | Part 'A' Part 'B' | | | | |
| 2749 | Schedule 'A' Part B a(iii) | 10,001—5,000 | 10,001—15,000 | 5,000 to be changed to 15,000. | |
| | b (i) | upto 500 | upto 5,000 | 500 to be changed to 5,000 | |
| | b (ii) | 5001—0000 | 5,001—10,000 | 0,000 to be changed to 10,000 | |
| | c(iii) | 10,001—4,000 | 10,001—15,000 | 4,000 to be changed to 15,000 | |
| 2749 | Schedule 'A' Part 'C' Column 3. | Amount received in respect of (1) as on 31-3-87 | Amounts received in respect of (1) as on 31-3-87 | '87' should be deleted | |
| 2749 | Schedule 'A' Part 'C' Item —8(ii) | Certificate received. | Certificate revived | received to be changed to revive | |
| 2749 | Schedule 'A' Part 'C' Note (i) |, Rs. 1 lakhs..... each deposits |, Rs. 1 lakhs. each deposit | lakhs to be changed to lakh. deposits to be changed to deposit. | |
| 2750 | Foot note |,through an allocation of profits, but not being : |,through an allocation of profits, but not being | bot should be changed to but. | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|------|------------------|---|--|--------------------------------|---|
| 2751 | Part 4, Column—1 | 1. Companies....Act 1956 (a) (b) (c) (d) (e) etc. | 1. Companies....Act,1956 (a) (b) (c) (d) etc. | Item (e) should be deleted. | |
| 2751 | Part 5, Column 4 |Commencement these directions. |Commencement of these directions. | 'of' should be added. | |
| 2753 | Part, foot note | *Please see paragraph... - please see paragraph ... | | *mark to be replaced by +mark. | |

STATE BANK OF INDORE

(ASSOCIATE OF THE STATE BANK OF INDIA)

HEAD OFFICE

Indore-452 003, the 31st December 1987

NOTICE

With reference to the notice dated the 28th Nov., 1987, regarding holding of a General Meeting of the shareholders of the State Bank of Indore at the Ravinda Natya Grah, R. N. T. Marg, Indore of the Bank for the purpose of electing two persons to be Directors of the Board of the Bank, NOTICE IS HEREBY GIVEN THAT I have accepted as valid the nominations proposing the names of :

- (1) Shri L. P. Bhargava,
Pt. Ramprasad Bhargava Marg,
UJJAIN.
- (2) Shri Radheshyam Bansal,
15/1, Parsi Mohalla,
INDORE.
- (3) Shri B. G. Nagar,
208, Palshikar Colony,
INDORE.
- (4) Shri P. S. Bapna,
2, Race Course Road,
INDORE.
- (5) Shri R. P. Sharda,
55, Juna Pitha, Main Road,
INDORE.
- (6) Shri Lalchand Jain,
C/o Rajhans Automobiles Products,
1, Industrial Estate,
INDORE.

PREM PRAKASH,
Managing Director

THE INSTITUTE OF COST AND WORKS ACCOUNTANTS OF INDIA

Calcutta, the 1st December 1987

No. 16-CWR (803) /87.—In pursuance of Regulation of the Cost and Works Accountants Regulation, 1959, it is hereby notified that in exercise of powers conferred by sub-section (1) of Section 20 of the Cost and Works Accountants Act, 1959, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has deleted from the Register of Members, on account of death, the name of Shri Goutam Mazumdar, BSC, AICWA, Cost Accounts Officer, Area Accounts Office, Central Coalfields Ltd., Kathara-829 116, Dt. Giridih, Bihar, (Membership No. M/7098), with effect from 26th September 1987.

The 11th December 1987

No. 18-CWR (163) /87.—It is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Cost and Works Accountants Regulation, 1959, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the

Institute of Cost and Works Accountants of India has restored to the Register of Members the name of Shri R. Subramanian, B.COM, AICWA, 5 Balrajeshwar Apartments, Bal Rajeshwari Road, Opp : C. P. Tools Ltd., L. B. Shastri Marg, Mulund West, Bombay-400 080, (Membership No. M/2542), with effect from 2nd December 1987.

11-CWR (106) /87.—In pursuance of sub-regulation (3) of Regulation 11 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that the Certificate of Practice granted to Shri S. K. Bhatnagar, BA, FICWA, C/o, Shri V. Shankara, 11, Babar Lane, New Delhi-110 001, (Membership No. M/4269), shall stand cancelled at his own request with effect from 30th November 1987 to 30th June 1988.

D. C. BHATTACHARYA,
Secretary

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 18th December 1987

No. U-16/53/85-Med. III (T.N.)—In pursuance of the Resolution passed at its meeting held on 25th April, 1951, conferring upon the Director General the powers of the Corporation under Regulations 105 of the ESI (General) Regulations, 1950, and such powers having been further delegated to me vide Director General's Orders No. 1024 (G) dated 23rd May, 1983, I hereby authorise Dr. C. K. Thirthagiri, 105-Ramasamy Street, Madras-I, to function as medical authority for Madras Centre in Tamil Nadu with effect from 1st January, 1988 for a further period upto 31st December, 1988, or till a Full-time Medical Referee joins, whichever is earlier on the existing terms and conditions, at the rate of Rs. 750/- per month for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

DR. K. M. SAXENA,
Medical Commissioner

The 21st December 1987

S. O. No. D/11-18 (Policy) /85-Genl. Col. II.—In exercise of the powers conferred by Section-3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Amendment Act, 1984 (35 of 1984) the Director (Administration), E.S.I. Corporation, Kotla Road, New Delhi-110002, hereby appoints the Officer mentioned below in column No. (1) of the table below, being the Officer equivalent the rank of Gazetted Officer of Government to be Estate Officer for the purposes of the said Act who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed on Estate Officer by or under the said Act within the local limits of their

respective jurisdiction in respect of public premises specified in the corresponding entry in column (2) of the said table.

The Table

| Designation of officer | Categories of Public premises and local limits of jurisdiction |
|---|--|
| (1) | (2) |
| 1. Regional Director, Regional Office, E.S.I. Corporation Sector-16, Faridabad, Haryana | Public Premises owned or acquired or hired by the Employees' State Insurance Corporation and which are under his Administrative Control within the limits of Haryana State (for residential quarters allotted by Regional Director, Haryana (Estate officer) |

G. R. NAYAR
Director (Administration)

NAZIM DARGAH KHALWA SAHEB

Ajmer, the 31st December 1987

ANNUAL ADMINISTRATION REPORT 1986-87

Introduction

It is my proud privilege to present before the Dargah Committee the Annual Report for the year 1986-87.

2. In the beginning of the year under review the Dargah Committee consisted of the following :—

| | |
|-------------------------------|----------------|
| (a) Janab Ismail M. Bawla | President |
| (b) Maulana M.J. A. Matin | Vice President |
| (c) Janab Shah Husain Ahmad | Member |
| (d) Janab Rais Mian Chishty | Member |
| (e) Janab Mohammad Zaman Arif | Member |

3. Janab Ismail M. Bawla and Maulana M.J.A. Matin remained President and Vice President of the Committee throughout the year respectively.

Financial Position

4. Details of the financial position of the Dargah Committee for the year under report are as under :—

| Opening Balance | 1st April, 1985 | 1st April, 1986 |
|---------------------------|------------------|------------------|
| Current | Rs. 15,42,664.00 | Rs. 3,03,154.00 |
| Fixed Deposit | Rs. 41,000.00 | Rs. 1,51,000.00 |
| Securities | Rs. 2,000.00 | Rs. 2,000.00 |
| Total | Rs. 5,85,664.00 | Rs. 4,56,154.00 |
| Receipt During the year : | | |
| | 1985-86 | 1986-87 |
| Revenue | Rs. 18,67,275.00 | Rs. 22,90,290.00 |
| Capital | Rs. 97,201.00 | Rs. 30,039.00 |
| Total | Rs. 19,64,476.00 | Rs. 23,20,329.00 |

Expenditure During the year :

| | 1985-86 | 1986-87 |
|---------|------------------|------------------|
| Revenue | Rs. 14,24,360.00 | Rs. 16,15,343.00 |
| Capital | Rs. 6,69,626.00 | Rs. 1,42,646.00 |
| Total | Rs. 20,93,986.00 | Rs. 17,57,989.00 |

| | Closing Balance as on 31-3-86 | 31-3-87 |
|------------------|-------------------------------|------------------|
| (i) Current | Rs. 3,03,154.00 | Rs. 4,85,494.00 |
| (ii) Fixed | Rs. 1,51,000.00 | Rs. 5,31,000.00 |
| (iii) Securities | Rs. 2,000.00 | Rs. 2,000.00 |
| Total | Rs. 4,56,154.00 | Rs. 10,18,494.00 |

5. There has been an overall net increase of Rs. 4,23,015/- in the income of Dargah Shareef during the year under review. Though there has been a substantial increase in the over all income of Dargah shareef during the last 5 years but during the year under review the total receipts have broken all previous records as would be seen from the statement given below :—

| 1981-82 | 1982-83 | 1983-84 | 1984-85 | 1985-86 |
|--------------|-----------|-----------|-----------|-----------|
| Rs. 998940/- | 1199947/- | 1374752/- | 1755460/- | 1867275/- |

2290290/-

6. Corresponding to the increase in the income the expenditure also increased in particular on charitable and welfare activities as would be seen from the details given below :—

| | 1981-82 | 1986-87 |
|--|-------------|-------------|
| | Rs. | Rs. |
| (a) Pay of Staff | 1,92,017.00 | 4,81,600.00 |
| (b) Stipend to widows | 18,815.00 | 35,400.00 |
| (c) Langar, daily and Ramzan | 55,342.00 | 86,383.00 |
| (d) Repairs of properties | 14,525.00 | 1,04,006.00 |
| (e) Repairs of Idgah and Mosques | 1,000.00 | 5,600.00 |
| (f) Purchase and repairs of Shamyanas | 13,798.00 | 21,764.00 |
| (g) Darul Uloom and Scholarships to Technical/Medical Students | 3,600.00 | 4,794.00 |
| (h) Homoeopathic and Unani Shafakhana | 10,705.00 | 2,160.00 |

7. The recurring expenditure on daily supply of flowers, Sandal and Candles to the Holy Shrine, Payment of Electricity and Water charge, payment of salary to staff, Scholarships to students, help to the poor, expenditure on daily Langar, on maintenance of Dargah Shareef and Guest Houses, etc. have been made regularly and satisfactorily.

Urs Mubarak of Hazrat Khwaja Gharib Nawaz (R.A.)

8. Urs Khwaja Moinuddin Chishty (R.A.) commenced on 1st Rajab 1407 corresponding to 2nd March, 1987 and was over after Bara Qul on 9th Rajab corresponding to 10th March, 1987. During the first three days of the Urs there was rather steady flow of the pilgrims but on the fourth day the influx of the pilgrims increased suddenly so much that on 5th Rajab almost 2 lac zaireen participated in Friday prayers. It was a record crowd which was not witnessed by the people of Ajmer after partition. Every thing went off extremely well and Friday prayers passed off peacefully due to strict vigilance and elaborate administrative arrangements made by the Dargah and District Administration. The Dargah Administration had installed loudspeakers well beyond Police Station Gunj in anticipation of the expected larger crowd than last year.

9. Qul ceremony was held on 6th Rajab corresponding to 7th March, 1987 which went off extremely well. The coverage of the Urs Programme and ceremonies by the AIR and TV Units was good and encouraging. However, in the morning of 6th Rajab corresponding to 7th March, 1987 an unfortunate incident occurred between 6.45 and 7 a.m. when, due to heavy rush of zaireen, six persons including

five women died and 19 were injured. The situation was brought under control within not time. The dead bodies were extricated and identified almost immediately. Injured were given immediate medical aid. The Dargah Committee held an emergency meeting and expressed its deep sorrow and grief on the unfortunate incident and passed a condolence resolution. The Committee also sanctioned Rs. 5000/- each to the next of the kin of those who died and an aggregate sum of Rs. 5000/- to the injured persons. The State Govt. ordered an enquiry by the Commissioner, Ajmer Division and announced the help of Rs. 10,000/- each to the next of kin of those who died.

10. All administrative arrangements in particular police, water supply, electricity, hygiene, sanitation and cleanliness were good and remained satisfactory throughout the Urs Services of Railways and Roadways were adequate and remained satisfactory.

11. Pakistan delegation consisting of 280 zaireen attended the Urs and presented 'Chadar' at the Holy Shrine. They were accommodated at the Govt. Girls H. S. School. The arrangements for their stay were made by the District administration.

12. The Dargah Administration in anticipation of larger crowd than the previous years employed extra Chaprasis and Safai Walas almost double the number of last year. High standard of cleanliness and hygiene was maintained within the Dargah premises as well as in Dargah Guest Houses Ajmer. An enquiry office was established by the Dargah Committee at Buland Darwaza. Over 150 lost children/old adults were restored to their parents/wards.

13. Free medical cover was provided by five dispensaries (two Allopathic, one homoeopathic and two unani) which remained open round the clock. In all 19,914 patients were given free medicines and treatment.

14. More than 3 lac zaireen paid their homage to the Holy Shrine. Over 2,500 private buses had arrived from various parts of India. This year it was a record gathering in the memory of the inhabitants of Ajmer after Independence. But for the unfortunate incident of 7th morning every thing went off extremely well despite the fact that there was an unprecedented rush of pilgrims this year. Lessons have been learnt and remedial measures are in hand to avoid such an unfortunate incident in future. The catastrophe miraculously came under control within no time. This has been a redeeming feature and we are grateful to God. The Dargah staff who had to work against heavy odds, discharged their duties with devotion and dedication. Cooperation of district authorities with the Dargah Administration was excellent. The district officials from top to bottom worked very sincerely.

Rituals of Dargah Shareef :

15. The Mahfil of annual Urs Shareef of Gharib Nawaz and Khwaja Usman Harooni and other Mahfils of Jumerats (Thursdays) and Chhati Shareef (Sixth of every Islamic month) were performed properly. The "Airas" of Khulefae Rashidin, Muhamarram Shareef, Idd Miladun Nabi, etc. were observed with solemnity.

Audit of Accounts :

16. Audit of the Dargah Accounts for the year 1986-87 has been carried out by the A. G. Rajasthan. The accounts were maintained properly. There have not been any serious objections/observations. The Audit Report for the year under review is 'Nil'. A copy of Audit certificate is at Appendix 'A'.

Financial Aid and Welfare Activities :

17. The following major expenses on welfare and social activities have been incurred during the year under report:—

(a) *Stipend to Widows and Needy* : A sum of Rs. 35,400/- to 173 widows of Khadims, Non Kha-

dimis, Peerzadgan, local and out side Ajmer, was given during the year under review.

- (b) *Scholarships to Medical and Technical Students* : A sum of Rs. 4,794/- as merit-cum-means scholarships to poor students at the rate of Rs. 100/- p.m. has been given to 4 students during the year under review. It is proposed to increase the number of scholarships during the next financial year.
- (c) *Tajheez-o-Takfn (Burial of unclaimed Bodies)* : A sum of Rs. 13,410/- has been spent on burial of unclaimed bodies and of those who could not afford the expenses.
- (d) *Aid to Poor Students, Poor Parents, Sadir-o-Warid, Victims of Theft/Pick-Pocketing etc* : A sum of Rs. 14,023/- has been spent in giving financial aid to the above category of needy persons.
- (e) *Aid to Educational Institutions* : A sum of Rs. 4,200/- has been given to Mohammed Ali Memorial Higher Secondary School, Beawer for imparting religious education.
- (f) *Medical Aid to Staff and Others* : A sum of Rs. 4,075/- in cash was disbursed on account of Medical Aid to staff and others.
- (g) *Supply of Free Medicines and Maintenance of Dispensaries* : The Dargah Committee is running two full fledged free dispensaries, Homoeopathic and Unani. During the year under review over one lac people were given free medicines in the two dispensaries. A total sum of Rs. 62,160/- was spent on running the two dispensaries.

Langar in Ramzan and Iftari to Prisoners of Central Jail :

18. Approximately 300 poor Rozdars have been given two sumptuous meals daily during Ramzan. In addition to this, Iftari including ice, sugar etc. for 27 Central Jail prisoners who observed fast was arranged throughout the month of Ramzan. A total sum of Rs. 16,650/- has been spent on this count.

Daily Langar :

19. Daily Langar (cooked porridge wheat and barley) has been distributed twice daily to all without any distinction. The expenditure for the whole year amounts to Rs. 69,733/-.

Achievements :

20. Some of the more important achievements during the year under review are given below:—

- (a) *New Generating Set* : The two existing generating sets of 10 KVA and 6 KVA were not found sufficient for maintaining uninterrupted supply of electricity to the Dargah Shareef and the guest houses. Hence, a new diesel generating set of 15 KVA was purchased last year. This entailed an expenditure of more than Seventy Eight Thousand rupees.
- (b) *Cleaning of Jhalra* : Jhalra is the only source of water supply to the Dargah Shareef and the adjoining mohallas. Its cleaning was long over due. The Dargah administration spent a sum of about Rs. 12,000/- and got it cleaned during last summer (1986).
- (c) *Exemption from Payment of Land and Building Tax* : After sustained efforts made by the Dargah administration for more than one year, the land and buildings of Dargah Khwaja Sahib Endowment have been exempted by the Rajasthan Government from the levy of the land and building tax w.e.f. 1973. We are grateful to the Government of Rajasthan for their benevolence.
- (d) *Increase in Pay of Staff* : Special attention was paid to the plight of the staff and hence their pay was increased from time to time with the result that the present pay of Chaprasi is just the double of what he was getting in 1981-82. The same is the case with other employees. During the year 1986-

87 two instalments of D.A./relief were granted to them. The extent of increase in their pay can be judged by the following figures :—

| <i>Total amount of Salaries paid to staff—</i> | |
|--|----------------|
| 1981-82 | 1986-87 |
| Rs. 1,92,000/- | Rs. 4,81,600/- |

Future Projects :

21. The Dargah Committee has planned to take up the following projects for the development of Dargah properties :—

- (a) Renovation of Gumbad Shareef.
- (b) Opening of Maternity Centre.
- (c) Replacement of red stone with marble within Dargah Shareef.
- (d) Improvement of Dargah Library.
- (e) Construction of residential-cum-shopping complex at Dargah Bungalow.
- (f) Further improvement of farm land at village Kair.
- (g) Construction of latrines near Solah Khamba.

Meeting of the Dargah Committee :

22. Of the four meetings scheduled for the year under review only three were held. One meeting could not be held due to want of quorum.

Increase in Rental Income :

23. There has been steady increase in the rental income of the Dargah properties. During the year under review the rental income of the Dargah Shareef increased by 30,030/- per annum.

Conclusion :

24. The year under review has been a year of development, progress and prosperity. The total net income during the year under review reached to the tune of Rs. 22,90,290/-.

It is heartening to note that this income is almost two and a half times of the income of the year 1981-82. More stress was laid on welfare activities and extending help to poor and needy people. A beautiful new guest house for zaireen became fully functional. Extensive repairs of Dargah properties have been carried out which besides extending the life of the properties provides employment opportunities to hundreds of labourers and artisans. Substantial increase in the pay of the Dargah Staff was granted. The Dargah Committee continues to strive for providing better and better facilities to the devotees and for extending the area of its charitable and welfare activities amongst the needy and the poor.

NAZIM
Dargah Khwaja Sahib
Ajmer

AUDIT CERTIFICATE

I have examined the receipt and expenditure account of Dargah Khwaja Sahib, Ajmer for the year ending 31st March, 1987. I have obtained all the information and explanations that I have required and I certify, as a result of my audit, that in my opinion these accounts are properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of the state of affairs of Dargah Khwaja Sahib, Ajmer, according to the state of affairs of Dargah Khwaja Sahib, Ajmer, according to the best of information and explanation given to me and as shown by the books of the organisation.

Sd/- ILLEGIBLE
Accountant General (Audit)

Rajasthan, Jaipur

Place : Jaipur
Dated